उत्तराखंड के स्कूलों में मध्याह्न भोजन से पहले होगा 'भोजन मंत्र' का जाप

चर्चा में क्यों?

उत्तराखंड स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जुलाई माह के प्रथम सप्ताह के दौरान आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक के बाद प्रदेश सरकार 18,000 स्कूलों में मध्याह्न भोजन (Mid-Day-Meal) से पहले भोजन मंत्र का जाप कराने की तैयारी में है। इस संबंध में उत्तराखंड शिक्षा विभाग सभी स्कूलों में निर्देश भेजने की तैयारी कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

- जुलाई के पहले सप्ताह में शिक्षा विभाग की एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया था। इस बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि स्कूलों में प्रतिदिन मध्याह्न भोजन से पहले भोजन मंत्र का जाप कराया जाए।
- इन स्कूलों लगभग 12 लाख बच्चे पढ़ते हैं जो मध्याह्न भोजन से पहले भोजन मंत्र का जाप करेंगे।
- हालाँकि यह फैसला भी लिया गया कि सभी स्कूलों में रसोई की दीवारों पर भी यह मंत्र लिखवाया जाए लेकिन यह अनिवार्य नहीं है। यह स्कूल प्रशासन और छात्रों पर निर्भर करता है कि वे दीवारों पर मंत्र लिखवाना चाहते हैं या नहीं।
- यह स्पष्ट नहीं है कि वह कौन सा मंत्र होगा जिसे भोजन मंत्र कहा जाएगा।
- समीक्षा बैठक के दौरान योगाभ्यास को भी दैनिक पाठ्यक्रम में शामिल करने की बात कही गई।
- इसके अलावा बच्चों को देश के महान नेताओं के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। साथ ही गायत्री मंत्र या सरस्वती वंदना से स्कूलों में पठन-पाठन की शुरुआत की जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-govt-school-students-to-chant-bhojan-mantra-before-mid-day-meals